संपादकीय

बाधित संसद

उम्मीद की जा रही थी कि पिछले सत्र में जिन कृषि कानूनों को लेकर भारी हंगामा हुआ था, उन्हें वापस लिये जाने के बाद शीतकालीन सत्र में सदन सुचारु रूप से चलेगा; लेकिन इसके उलट टकराव के नये मुद्दे सामने आ गये हैं। यूं तो संसद के सत्रों में व्यवधान, वाकआउट व हंगामा आम हो चला है और शीतकालीन सत्र भी उसका अपवाद नहीं है। लेकिन पिछले मानसून सत्र में हंगामे के लिये जिम्मेदार बताये जा रहे बारह विपक्षी राज्यसभा सदस्यों के निलंबन ने विवाद को और बढ़ा दिया है। सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक के बाद उम्मीद की जा रही थी कि सदन सुचारु रूप से चलेगा, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल निलंबन रद्द करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू निलंबन वापस लेने से मना कर रहे हैं। उनका कथन है कि अगस्त में मानसून सत्र के दौरान अमर्यादित आचरण करने वाले सांसद अपने व्यवहार के लिये कोई पछतावा नहीं दिखा रहे हैं। वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि घटना के कई महीनों के बाद सदस्यों का निलंबन नियमों का उल्लंघन है। निस्संदेह सत्तापक्ष और विपक्ष जब अपनी-अपनी बातों पर अड़ जाते हैं तो सदन का कामकाज प्रभावित होता है। संवाद व वाद-विवाद संसदीय लोकतंत्र की आधारशिला है। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष को सदन चलाने के लिये रचनात्मक सहयोग देना चाहिए। एक बात तो तय है कि राजनीतिक दल व संसद सदस्य यदि जनादेश का सम्मान नहीं करते तो वे सही मायनों में संसद की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाते हैं। सर्वविदित है कि संसद का एक सत्र चलाने में करदाताओं का भारी-भरकम पैसा खर्च होता है। एक पुराने अनुमान के अनुसार प्रति मिनट ढाई लाख से अधिक रुपया खर्च होता है। ऐसे में हर बैठक मायने रखती है और विचारों के सहज आदान-प्रदान को सुगम बनाना प्रत्येक सदस्य की जवाबदेही है। निस्संदेह संसद के प्रशासनिक फैसलों में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की बड़ी भूमिका होती है, लेकिन केंद्र सरकार की रीति-नीति का भी असर होता है। ऐसे में वरिष्ठ पदाधिकारियों को उदारता दिखानी चाहिए ताकि सबको साथ लेकर चला जा सके। फिर पिछले सत्र के हंगामे पर हुई कार्रवाई को नये सत्र के बाधित होने का कारक नहीं बनने देना चाहिए था, अन्यथा एक और सत्र सिर्फ हंगामे की भेंट चढ़कर रह जायेगा। बेहतर तालमेल से पक्ष-विपक्ष देश के सामने अपनी बात स्पष्टता से कह सकते हैं और नये कानून बनाने का मार्ग भी प्रशस्त हो सकता है। जब विधेयकों पर स्वस्थ बहस का वातावरण बनेगा तो फिर तुरत-फुरत विधेयकों को कानून बनाने की जरूरत न होगी। वहीं सत्तापक्ष की दलील है कि यदि असंसदीय व्यवहार के लिये दंडित नहीं किया जायेगा तो यह सिलसिला लगातार चलता ही रहेगा। पिछले सत्र में जो अप्रिय घटनाक्रम देश ने देखा, वह अनुचित ही था। वहीं विपक्षी सांसदों द्वारा माफी से इनकार करने से विवाद का शीघ्र पटाक्षेप नजर नहीं आता। संसद का बहुमूल्य समय विवाद की भेंट चढ़ रहा है। पक्ष-विपक्ष को इस बात का अहसास नहीं है कि संसद को सुचारु रूप से चलाना दोनों की साझी जिम्मेदारी है, आरोप-प्रत्यारोप से वे इससे बच नहीं सकते। किसी भी सदस्य के अमर्यादित व्यवहार पर सदन की मर्यादा के लिये दोनों पक्षों को जिम्मेदार व्यवहार दिखाना चाहिए। साथ ही कोई कार्रवाई करते वक्त विपक्षी नेतृत्व को भी भरोसे में लेना चाहिए। दोनों पक्षों को मिल-जुलकर विवाद का यथाशीघ्र पटाक्षेप करना चाहिए। जनता में सवाल पैदा हो रहा है कि जो संसद देश के सुचारु संचालन के लिये कानून बनाने की जगह है, वह हंगामे का केंद्र क्यों बन रहा है? सदस्यों के कामकाज व व्यवहार में लोकतांत्रिक मूल्यों का अक्स साफ नजर आना चाहिए। विरोध-प्रतिरोध के बीच असहमति की स्पष्ट गुंजाइश नजर आनी चाहिए। ध्यान रहे कि स्वस्थ बहस व संवाद ही लोकतंत्र की असली ताकत है, जो सदन की गरिमा के भी अनुकूल हो। सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधियों के ऐसे व्यवहार से नयी पीढ़ी क्या सबक लेगी?

भारत में ई वेस्ट की डंपिंग चिंता का विषय : वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व सतर्कता निदेशालय (डीआरआई) की देश की आर्थिक सीमाओं को संरक्षित बनाये रखने के लिए सराहना करते हुये आज मामलों के निपटान में तेजी लाने और सूचनाओं के आदान प्रदान तंत्र को सशक्त बनाने के साथ ही बेहतर प्रदर्शन के लिए कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारियां एकत्रित किये जाने पर जोर दिया।

श्रीमती सीतारमण ने यहां डीआरआई की संस्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि कार्रवाई योग्य सुखिया जानकारियां बहुत कम की मिलती है। बहुत अधिक खुफिया जानकारियां मिलती है लेकिन जब कार्रवाई की बात आती है तो वे जानकारियां हकीकत नहीं बन पाली है। कभी कभी तो ये जानकारियां इतनी हल्की होती है कि उस पर कार्रवाई करना भी कठिन होता है।

वित्त मंत्री मुंद्रा पोर्ट पर तीन हजार किलोग्राम पादक पदार्थ की खेप पकड़े जाने का उल्लेख करते हुये कहा कि इस तरह की अवैध को रोकने के लिए किये जाने वाले आवश्यकत उपायों पर गौर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डीआरआई को ई वेस्ट डंपिंग पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि यह देश के तट पर नहीं पहुंचना चाहिए।

उन्होंने स्मग्लिंग इन इंडिया रिपोर्ट 2020-21 को जारी करते हुये अधिकारियों से तस्करी रोकने के उपाय भी सुझाने के लिए कहा।

इस मौके पर केन्द्रीय अप्रत्यक्षकर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष विवेक जोहरी भी उपस्थित थे।

कैप्टिव कोयला खानों से उत्पादन में हुई महत्वपर्ण वृद्धि

नई दिल्ली। कैप्टिव (खुद के इस्तेमाल के लिए इकाइयों को आवंटित) खदानों से कोयला उत्पादन में इस वित्त वर्ष के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दिखी है और सरकार का अनुमान है कि वर्ष के दौरान उत्पादन 8.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष में नवम्बर तक कैप्टिव खानों से कोयले का उत्पादन पांच करोड़ टन तक पहुंच चुका है। वित्त वर्ष के अंत मार्च 2022 तक इसके 8.5 करोड़ टन तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

पिछले वर्ष में ऐसी खानों से कुल 6.20 करोड़ टन कोयला निकाला गया था। उसकी तुलन में इस बार उत्पादन उल्लेखनीय रूप से अधिक है। कोयला मंत्रालय में सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन ने घरेलू कोयला की उच्च मांग को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नए कोयला ब्लॉकों के विकास को प्रभावित करने वाली पर्यावरण तथा वन मंजूरियों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की। अगले वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन के 12 करोड़ टन तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

ओला लाएगी अपना आईपीओ, पर्सनल फाइनेंस और इंश्योरेंस सर्विसेज भी करेगी शुरू

नई दिल्ली । भारतीय राइड सर्विस कंपनी ओला की 2022 के पहले भाग में अपना इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग लेकर आने की योजना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भाविश अग्रवाल द्वारा शेयर की गई है। उन्हें बाजार की हाल ही की उथल-पुथल और देश में कुछ स्टार्टअप्स की खराब लिस्टिंग से असर नहीं पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जापान के सॉफ्टबैंक ग्रुप द्वारा समर्थित ओला एक सुपर ऐप की तरह कुछ बनाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी की योजना अपनी सर्विसेज को मोबिलिटी से आगे बढ़ाकर पर्सनल फाइनेंस और माइक्रो फाइनेंस शामिल करने की भी है। अग्रवाल ने यह जानकारी रॉयटर्स नेक्स्ट कॉन्फ्रेंस को दी है। अग्रवाल ने इस कंपनी की शुरुआत साल 2010 में की थी। उन्होंने कहा कि वे ऐसी कंपनी नहीं हैं, जिनकी किसी भी चीज पर छोटी अवधि का मत है। छोटी अवधि के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन उससे कंपनी के फैसलों पर कभी असर नहीं पड़ा है। भारतीय कंपनियों ने 2021 के पहले नौ महीनों में अपने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग के जरिए 9.7 बिलियन डॉलर जुटाने की है।

ओमिक्रॉन और आरबीआई की मौद्रिक नीति से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई। कोरोना के नये स्वरूप ओमिक्रॉन से सहमे निवेशकों की बिकवाली से बीते सप्ताह उठापटक से गुजरे शेयर बाजार की चाल ओमिक्रॉन और रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा को लेकर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी।

समीक्षाधीन सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट का रुख रहा। उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 589.31 अंक चढ़कर सप्ताहांत पर 57696.46 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 170.25 अंक बढ़कर 17196.70 अंक पर रहा। बड़ी कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली हुई। बीएसई का मिडकैप 336.4 अंक की तेजी के साथ 25182.91 अंक और स्मॉलकैप 350.48 की बढ़त लेकर 28421.89 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों कहना है कि बीते सप्ताह ओमिक्रॉन की अनिश्चितता के दबाव में उठापटक से गुजरता हुआ सेंसेक्स और निफ्टी एक प्रतिशत की बढ़त पाने में कामयाब हुआ। लेकिन, अगले सप्ताह भी शेयर बाजार में ओमिक्रॉन की अनिश्चितता, आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा, आईआईपी और महंगाई के जारी होने वाले आंकड़ों के बीच अस्थिरता जारी रहने का अनुमान है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा 08 दिसंबर को होगी। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आरबीआई ओमिक्रॉन के बढ़ते डर, मजबूत विकास, उच्च मुद्रास्फीति के बीच संतुलन कैसे बनाए रखेगा। अगले सप्ताह शुक्रवार को आईआईपी और खुदरा महंगाई के आंकड़े भी जारी होने वाले हैं। बाजार पर इसका असर भी देखा जा सकता है।

उनका कहना है कि इस सब के बीच अगले सप्ताह एफआईआई का व्यवहार बाजार को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एफआईआई ने पिछले सप्ताह नकद बाजार में 15800 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। हालांकि घरेलू निवेशकों ने नकद बाजार में 16500 करोड़ रुपये की लिवाली करके बाजार को मजबूत समर्थन प्रदान किया है।

सबसे उम्रदराज़ टेस्ट क्रिकेटर एलीन ऐश का 110 वर्ष की उम्र में निधन

लंदन। सबसे उम्रदराज़ टेस्ट क्रिकेटर एलीन ऐश का 110 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके निधन पर इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

ऐश ने 1937 में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और कुल सात टेस्ट खेले। 1949 में रिटायर होने से पहले उन्होंने 23.00 के औसत से 10 विकेट झटके थे। अपने खेल जीवन के बीच उन्हें ब्रिटेन की खुफिया ऐजेंसी एमआई 16 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान शामिल किया गया था।

अपने अंतिम दिनों में ऐश एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व थी। लॉर्ड्स में अक्सर खेल शुरू होने से पहले घंटी बजाई जाती है। 2017 में महिला विश्व कप के फ़ाइनल दौरान लॉर्डस में खेल शुरू होने से पहले उन्होंने ही घंटी बजाई थी। उस मैच में इंग्लैंड महिला टीम ने भारतीय टीम को हराया था। इसके ठीक दो साल बाद एमसीसी ने उनकी एक तस्वीर का अनावरण भी किया था। ईसीबी के महिला क्रिकेट के प्रबंध निदेशक और एमसीसी के अध्यक्ष क्लेयर कॉनर ने कहा, हमारा खेल एलीन जैसी खिलाड़ियों के प्रति काफ़ी ऋणी है।

थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले से एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

डोंगहे। भारतीय महिला हॉकी टीम अपने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट अभियान की शुरुआत थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगी जो कोरिया के डोंगहे में पांच से 12 दिसंबर तक आयोजित होगा।

2018 की उप विजेता भारतीय टीम इस सिंगल पूल टूर्नामेंट में थाईलैंड के अलावा चीन, कोरिया, जापान और मलेशिया से भिड़ेगी।

बेंगलुरु में रिहैबिलिएटेशन कर रही नियमित कप्तान रानी रामपाल की अनुपस्थिति में टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करने वाली गोलकीपर सविता पुनिया ने एक बयान में कहा, टीम का ध्यान अभी अच्छी शुरुआत करने पर है। ओलंपिक के बाद यह हमारी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है और पहले मैच को लेकर हमेशा कुछ हिचकिचाहट होगी, लेकिन हमने अच्छी तैयारी की है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं। हम मेजबान कोरिया से कड़ी चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं और निश्चित रूप से हम चीन या जापान को हल्के में नहीं ले सकते हैं जो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। डोंगहे में पहुंचने के बाद हम यहां की पिच पर कुछ अच्छे अभ्यास सत्रों से गुजरे ताकि हम खुद को यहां ढाल सकें। यहां अच्छी सुविधा है और हम इस पिच की परिस्थितियों के लिए नए नहीं हैं, हालांकि मौसम काफी ठंडा है और इसकी आदत डालना शुरू में एक चुनौती हो सकती है।

सविता ने 2022 में व्यस्त कार्यक्रम से पहले इस टूर्नामेंट के महत्व पर भी प्रकाश डाला। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के बाद 2022 में एशिया कप खिताब डिफेंड करेगी और एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान के लिए भी प्रयास करेगी, ताकि वह पेरिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर सके। कप्तान ने कहा, मैच जीतना हमेशा आत्मविश्वास की भावना पैदा करता है और इस दौरे के लिए हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो पहली बार इस स्तर पर खेलेंगे।

आज का राशिफल

मेष: भौतिक-सुख साधन हेतु व्यय संभव। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

बृषभ : उच्छृंखलता व व्यग्रता महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे।

मिथुन : भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारा ्मक विचार ला सकती हैं। लाभकारी संबंधों के प्रति नजदीकियां बढ़ेंगी।

कर्क : संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता संभव। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभकारी अवसर मिलेंगे। कुछ प्रबल भौतिक इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

सिंह : महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। कुछ नई आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

कन्या : पिता के सहयोग से विषम स्थितियों के मध्य राहत मिलेगी। भावना प्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टप्रद होंगी।

तुला : भावना से उद्वेलित आपका मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश मन में सगे-संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

वृश्चिक : किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें की समयानुकूल पूर्ति करने में सक्षम होंगे।

धनु : भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना, आपकी प्रगति का सूचक है। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं।

मकर : सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे।

कुंभ : किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी। परिजनों से भावनात्मक कष्ट हो सकता है। किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा।

मीन : नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। सामाजिक संबंधों में संतुलित व्यवहार व वाक्यपटुता से आपकी गरिमा में वृद्धि होगी।

अब हॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं सामंथा

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली हैं. वह डायरेक्टर फिलिप जॉन की फिल्म अरेंजमेंट ऑफ लव में काम करने वाली हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक सामंथा फिल्म में बाइसेक्सुअल लड़की का किरदार निभा रही हैं जिसकी अपनी डिटेक्टिव एजेंसी है. फिल्म में काम करने को लेकर सामंथा ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं फिलिप जॉन के साथ काम करने को लेकर काफी एक्साइटेड हूं. फिलिप के प्रोजेक्ट्स को मैं काफी सालों से बड़े करीब से फॉलो कर रही हूं. मैं सुनीता (फिल्म की प्रोड्यूसर) के साथ फिर से काम करने को लेकर एक्साइटेड हूं. आशा है कि हमें इस फिल्म में वैसा ही प्यार मिले जैसे हमारी फिल्म ओह बेबी को मिला था. सामंथा ने आगे कहा, मेरा किरदार काफी चैलेंजिंग है और मैं खुश हूं कि मुझे इसे करने का मौका मिला. मैं सेट पर काम करने को लेकर एक्साइटेड हूं, बता दें कि ये फिल्म अगले साल अगस्त में रिलीज हो सकती है. बता दें कि सामंथा लास्ट हिट सीरीज द फैमिली मैन में नजर आई थीं. ये सामंथा का पहला हिंदी प्रोजेक्ट था. सामंथा के काम को काफी पसंद किया गया था. उन्हें क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. सामंथा कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. कुछ दिनों पहले ही सामंथा ने नागा चैतन्य से अलग होने की घोषणा की जिससे फैंस भी हैरान रह गए.

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी हुई पोस्टपोन!

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट काफी समय से रिलेशनशिप में हैं. दोनों की शादी की खबरें तो काफी समय से आ रही हैं. हालांकि अभी तक दोनों की शादी की डेट फाइनल नहीं हो पाई है. अब तक ऐसा कहा जा रहा था कि दोनों इसी साल दिसंबर में शादी करने वाले हैं. लेकिन अब नई रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने अपनी शादी को पोस्टपोन कर दिया है. रिपोर्ट के मुताबिक आलिया और रणबीर कपूर अपने-अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बिजी हैं. इसके साथ ही दोनों डेस्टिनेशन वेडिंग करना चाहते हैं और उसकी तैयारी और अरेंजमेंट्स के लिए बहुत समय लगेगा इसलिए अब दोनों अगले साल दिसंबर में शादी करेंगे. खबर ये भी है कि शादी से पहले या शादी के बाद आलिया और रणबीर साथ में वेकेशन पर जा सकते हैं. अब ये खबर कितनी सच है ये तो आने वाले वक्त में ही पता चल जाएगा क्योंकि इससे पहले खबर आई थी कि आलिया और रणबीर, विक्की कौशल और कैटरीना कैफ के लिए अपनी शादी की डेट आगे बढ़ा रहे हैं.

अंडे से बनाएं टेस्टी शीरमाल

अंडे से केक, बिस्कुट और भी तरह-तरह की डिशेज तो बनाई होगी लेकिन क्या कभी शीरमाल बनाया है। अगर नहीं, तो यहां सीखें इसे बनाना।

सामग्री :

1 कप मैदा, 1 अंडा, 3/4 टीस्पून ताजा खमीर, 2 टेबलस्पून पिसी चीनी, 1/4 टीस्पून नमक, 1/4 कप दूध, 2 टेबलस्पून देसी घी, 1/2 टीस्पून खसखस या तिल, पिघला मक्खन, दूध मे घुला केसर

विधि :

परात में मैदा, खमीर, चीनी, नमक, अंडा, एक टेबलस्पून घी मिलाकर दूध से आटा मलें और ढककर रख दें। 2-3 घंटे बाद इसमें बचा हुआ घी पिघलाकर डालें और आटे को मसल कर लोइयां बना लें। सभी लोइयों को बेलकर कांटे से गोदें जिससे रोटियां फूले नहीं। बेली हुई रोटियों पर पानी का हाथ लगाकर खसखस या तिल चिपकाएं। इसके बाद रोटियों पर दूध में घुला केसर लगाएं और पहले से गर्म ओवन में उन्हें 180 डिग्री सेल्सियस पर ट्रे में रखकर सुनहरा होने तक बेक करें। गर्म शीरमाल पर पिघला मक्खन लगाकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 280

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

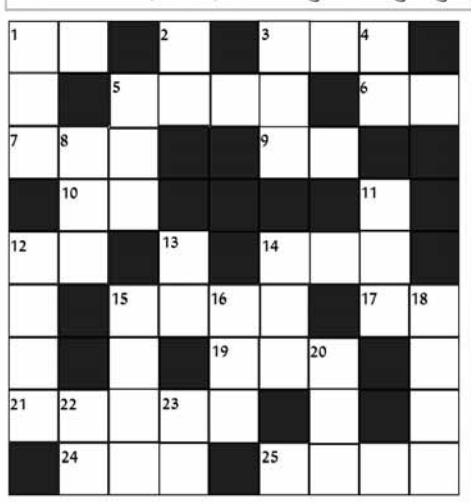

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 279 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

सू-दोकू- 280

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 279 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7